सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 279 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 19 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





सफलता का रहस्य है साधारण चीजों को असाधारण तरीके से करना।
-जॉन डी. रॉकफेलर

भारत के सामने दीवार बने निकोल्स... 7 | पंजाब चुनाव में लगेंगे सियासी... 3 | काशी की तरह गोरखपुर में भी... 2

# अमेरिका से राहुल की ललकार मोदी सरकार पर सवालों की बौछार

## विकास के विज्ञापन से काम नहीं चलेगा रोजगार का हिसाब देना होगा

» दो विश्वविद्यालय, दो हुंकार.. कहीं अर्थव्यवस्था की चीरफाड़ तो कहीं चुनावी व्यवस्था पर प्रहार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका में दो विश्वविद्यालय.. दो मंच.. और राहुल गांधी के निशाने पर मोदी सरकार। राहुल गांधी ने एक तरफ कोलंबिया में भारतीय अर्थव्यवस्था का हिसाब मांगा तो दूसरी तरफ शिकागो में चुनावी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया।

राहुल गांधी ने सवालों की ऐसी झड़ी लगाई कि भारतीय राजनीति के फलक पर सिर्फ धुआं धुआ दिखई दे रहा है। उनके सवालों का जवाब नहीं आया है बल्कि राहुल गांधी के लिए बीजेपी नेताओं की तरफ से आरोपों की नई फेहरिस्त रिलीज कर दी गयी है। कोई उन्हें देश द्रोही तो कोई उन्हें नसमझ बता रहा है। राहुल गांधी ने एलान कर दिया है कि वह पीछे नहीं हटेंगे और चुनाव आयोग के गड़बड़झाले को देश की जनता के समाने लाएंगे और चुनाव लड़ेगे नतीजे जो भी हो।

**23**

बार एक ब्राजील महिला का नाम एक राज्य के विधानसभा चुनाव में मतदान से जुड़ा पाया गया।

“ ईरान युद्ध और विश्व में भारत की भूमिका तथा अंतरराष्ट्रीय राजनीति और भारत की वैश्विक स्थिति पर केंद्रित बातचीत के बीच राहुल ने भारतीय लोकतंत्र, चुनावी प्रक्रिया और विपक्ष की भूमिका से जुड़े सवाल भी उठाए। ”

### आयोग के भीतर से सूचना मिलने का दावा

चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने दावा किया कि चुनाव आयोग के अंदरूनी हलकों से भी विपक्ष को जानकारियां मिल रही हैं। उनके अनुसार आयोग के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में काम करना उनके लिए कठिन होता जा रहा है। राहुल ने कहा कि यह एक लंबी कवायद है और उन्हें उम्मीद है कि चुनावी व्यवस्था से जुड़ी कथित गड़बड़ियां धीरे-धीरे सामने आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष किसी भी गैर-लोकतांत्रिक स्थिति को स्वीकार नहीं करेगा। राहुल के शब्दों में, यह लड़ाई केवल कांग्रेस तक सीमित नहीं है बल्कि उन नागरिकों की भावना से जुड़ी है जो चाहते हैं कि लोग बिना किसी भय के अपनी बात रख सकें और लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों की भागीदारी व ताकत फिर से सशक्त हो।

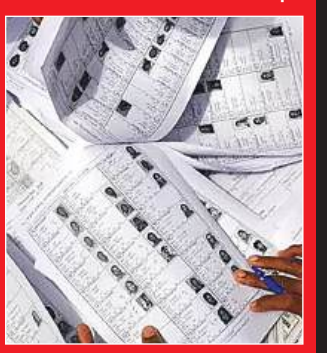


“ विकास के तमाम दावों के बीच देश का आम आदमी आखिर कहां खड़ा है? ”

### मतदाता सूची पर सवाल

## ब्राजील की महिला का मामला चर्चा में

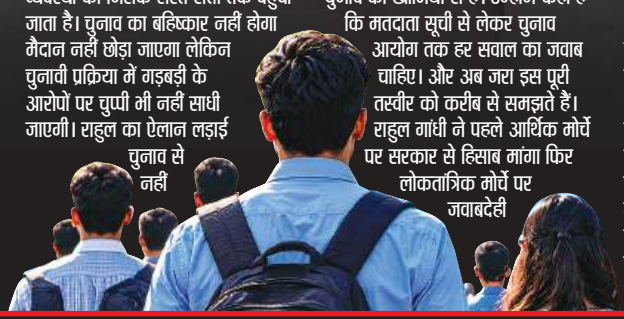
राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव और मतदाता सूची से जुड़े सवालों को भी अपनी बातचीत में उठाया। उन्होंने एक मामले का हवाला देते हुए कहा कि ब्राजील की एक महिला का नाम एक राज्य के विधानसभा चुनाव में 23 बार मतदान से जुड़ा पाया गया। राहुल गांधी के मुताबिक यह मामला मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े



करता है। राहुल गांधी ने इसी आधार पर सवाल उठाया कि यदि मतदाता सूची में ऐसे नाम मौजूद हैं जो वास्तविक नहीं हैं अथवा जिनके पास मतदान का अधिकार नहीं है तो चुनाव की वैधता और विश्वसनीयता को लेकर प्रश्न क्यों नहीं उठने चाहिए? उनका तर्क है कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की जांच होनी चाहिए और जनता को उसके बारे में स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए।

## राहुल के सवाल, मोदी सरकार परेशान

नौकरी कहां है? नौजवान के हाथ में काम क्यों नहीं? कारखानों की रफ्तार क्यों थमी? छोटे कारोबारियों की कमर क्यों टूटी? और विकास के तमाम दावों के बीच देश का आम आदमी आखिर कहां खड़ा है? कोलंबिया में राहुल ने इन सवालों से मोदी सरकार को घेरा। यह कोई हल्की राजनीतिक टिप्पणी नहीं थी यह सरकार के आर्थिक मॉडल पर सीधा हमला था। लेकिन राहुल यहीं नहीं रुके वह शिकागो पहुंचे तो सवालों का निशाना बदल गया। अब सवाल था उस चुनावी व्यवस्था का जिसके रास्ते सत्ता तक पहुंचा जाता है। चुनाव का बहिष्कार नहीं होगा मैदान नहीं छोड़ा जाएगा लेकिन चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोपों पर चुप्पी भी नहीं साधी जाएगी। राहुल का ऐलान लड़ाई चुनाव से नहीं चुनाव की खामियों से है। उन्होंने कहा है कि मतदाता सूची से लेकर चुनाव आयोग तक हर सवाल का जवाब चाहिए। और अब जरा इस पूरी तस्वीर को करीब से समझते हैं। राहुल गांधी ने पहले आर्थिक मोर्चे पर सरकार से हिसाब मांगा फिर लोकतांत्रिक मोर्चे पर जवाबदेही की मांग की। उन्होंने एक तरफ रोजगार और कारोबार का सवाल उठाया तो दूसरी तरफ वोट की विश्वसनीयता का सवाल फेंका। राहुल गांधी अमेरिका के मंचो से भारत की सत्ता को दो अलग अलग मोर्चों पर घेर रहे हैं। उनका संदेश साफ है सिर्फ कि विकास के विज्ञापन से काम नहीं चलेगा रोजगार का हिसाब देना होगा उनका संदेश साफ है कि सिर्फ चुनाव जीत लेने से सवाल खत्म नहीं होंगे चुनावी प्रक्रिया पर उठी उंगलियों का जवाब भी देना होगा।



## शिकागो से संदेश, विपक्ष की लड़ाई का नया मैदान

अमेरिका के इलिनॉय प्रांत स्थित शिकागो विश्वविद्यालय में आयोजित चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने राजनीतिक विज्ञान के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप से बातचीत की। ईरान युद्ध और विश्व में भारत की भूमिका तथा अंतरराष्ट्रीय राजनीति और भारत की वैश्विक स्थिति पर केंद्रित बातचीत के बीच राहुल ने भारतीय लोकतंत्र, चुनावी प्रक्रिया और विपक्ष की भूमिका से जुड़े सवाल भी उठाए। राहुल के मुताबिक चुनाव न लड़ने का निर्णय लोकतंत्र के हित में नहीं होगा। विपक्ष का उद्देश्य चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता को कमजोर करना नहीं बल्कि उस पर उठ रहे सवालों को जनता के सामने रखना है। वह लोगों को अनियमितताओं के प्रति जागरूक करना चाहतें है ताकि मतदाता समझ सके कि चुनावी प्रक्रिया में कौन से प्रश्न उठ रहे हैं और उनका समाधान क्यों आवश्यक है।

# काशी की तरह गोरखपुर में भी भाजपा का आएगा डबल जीरो : अखिलेश यादव

**सपा प्रमुख बोले- अभी तो चुनाव की तारीखों का ऐलान भी नहीं हुआ है लेकिन गोरखपुर के लोगों में उत्साह देखिए! यह वाकई कमाल का है**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि चुनाव तारीखों के ऐलान से पहले ही गोरखपुर में जनता का जो उत्साह दिख रहा है, उससे संकेत मिलता है कि यहां भी काशी की तरह ही डबल जीरो वाला नतीजा आएगा। लोगों को संबोधित करते हुए यादव ने चुनाव से पहले जनता की प्रतिक्रिया की ओर इशारा किया।

सपा प्रमुख ने कहा क अभी तो चुनाव की तारीखों का ऐलान भी नहीं हुआ है, लेकिन गोरखपुर के लोगों में उत्साह देखिए! यह वाकई कमाल का है। अगर आज वोटिंग हो जाए, तो गोरखपुर में भी डबल जीरो ही आएगा, ठीक वैसे ही जैसे काशी में आया था।





## गोरखपुर में नागरिक सुविधाओं की खराब हालत

गोरखपुर में नागरिक सुविधाओं की खराब हालत और अधूरे वादों को लेकर भाजपा पर तंज कसते हुए, यादव ने आरोप लगाया कि हाल ही में हुई बारिश के कारण लोगों के घरों में बाढ़ का पानी घुस गया और पूरा शहर वेनिस बन गया। यादव ने कहा, गोरखपुर पहुँचकर मुझे ऐसा लगा जैसे मैं यूरोप आ गया हूँ–या यूँ कहें कि यह गोरखपुर की यात्रा कम और यूरोप की यात्रा ज़्यादा लग रही थी। यह यूरोपीय अनुभव पूरी तरह से भाजपा के झूठे वादों की देन है। कुछ दिन पहले ही, बस कुछ घंटों की बारिश में जलस्तर बढ़ गया और लोगों के घरों में पानी घुस गया–जिससे यह जगह वेनिस बन गई। मुझे उनका एक वादा याद है कि यहाँ भी लखनऊ की तरह मेट्रो चलेगी। लेकिन हर मॉनसून में, हमारे लोग मेट्रो में नहीं, बल्कि नावों में सफ़र करते हैं–नावों में!

## आजम खां साहब की रिहाई ने इंसाफ पर ऐतबार को बढ़ाया है

समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने उनकी रिहाई पर खुशी जताई है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि आजम खान साहब की रिहाई ने इंसाफ पर ऐतबार को बढ़ाया है. जब ज़ुल्म और ज्यादती हो जाए बेहद के पार तो समझो आ गया है हुक्मरानों का अंतकाल। वहीं आजम खां की रिहाई पर उनके बेटे अदीब आजम ने खुशी जताते हुए कहा कि यह परिवार और सभी शुभचिंतकों के लिए ईद जैसा दिन है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के प्रति आभार जताते हुए कहा कि दोनों अदालतों ने अपनी संवैधानिक शक्तियों और न्यायिक अधिकारों का महत्व साबित किया है. उन्होंने कहा,हम अपराधी नहीं हैं। इससे पहले आजम खां के वकील मोहम्मद यासीर अब्बासी ने बताया था कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में जमानत की शर्तें तय कराने के लिए अदालत में अर्जी दाखिल की गई थी. अदालत ने प्रति जमानतदार 50 हजार रुपए की जमानत राशि निर्धारित की। सपा के जिला अध्यक्ष फैजल हुसैन ने भी आजम खां की रिहाई पर खुशी जताई।

## सपा प्रमुख ने प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधा

सपा प्रमुख ने प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए उन्हें वाचस्पति (भाषण देने में माहिर) कहा और बंगाल में वोट माँगने के दौरान इस्तेमाल किए गए एक नारे का ज़िक्र किया। यादव ने कहा हमारे नेता (प्रधानमंत्री) के ज्ञान और जानकारी को देखकर तो लगता है कि वे वाचस्पति हैं, आजकल तो वे सचमुच वाचस्पति बन गए हैं! और वे इतने ज्ञानी हैं कि जब वे यहाँ से बंगाल में वोट माँगने गए, तो बोले- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा! 2027 के विधानसभा चुनाव नज़दीक आने के साथ, गोरखपुर सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों के लिए एक अहम चुनावी अखाड़ा बन गया है।

## पीडीए रथयात्रा में उमड़ी भीड़

गोरखपुर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह क्षेत्र है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गोरखपुर में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक रथ यात्रा (पदयात्रा) निकाल रहे हैं, जो 20 किलोमीटर लंबी है। इसका उद्देश्य जिले के सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में समर्थकों को एकजुट करना है। इस यात्रा के दौरान, स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए चौरी-चौरा शहीद स्मारक पहुंचे। यह कदम आने वाले चुनावों से पहले पार्टी की ज़मीनी स्तर पर मज़बूत लामबंदी का संकेत देता है।

# आगामी यूपी विस चुनाव, महज चुनाव नहीं बल्कि इंकलाब होगा : आजम खां

### » जमानत पर रिहा होकर रामपुर पहुंचे सपा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामले में गिरफ्तारी के बाद जमानत पर रिहा हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान ने बुधवार देर रात अपने गृह जनपद रामपुर पहुंचकर राजनीतिक सरगर्मी तेज कर दी। गाजियाबाद की डासना जेल से रिहा होने के बाद रामपुर पहुंचने पर बड़ी संख्या में मौजूद समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए आजम खान ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव, संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली और अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर तीखे बयान दिए।



आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के संदर्भ में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए आजम खान ने दावा किया कि इस बार प्रदेश का राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदला हुआ है। उन्होंने कहा, इस बार चुनाव नहीं होगा, इंकलाब होगा। बदलाव नहीं होगा, सैलाब होगा। सपा नेता के अनुसार, अब प्रदेश की जनता धर्म और जाति की राजनीति से ऊपर उठकर वास्तविक मुद्दों पर लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन जैसे लोग संविधान और विधान की रक्षा के लिए मरने के लिए पहले भी तैयार थे, आज भी तैयार हैं और भविष्य में भी तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा, 'अब लोग धर्म और जाति के नाम पर नहीं लड़ेंगे। मुद्दों पर लड़ाई होगी और हम जैसे लोग संविधान के लिए और विधान के लिए मरने के लिए तैयार थे, तैयार हैं और तैयार रहेंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान पर कि प्रदेश में पार्टी की सरकार बनने पर आजम खान को न्याय दिलाया जाएगा, उन्होंने कहा, 'न्याय तो न्याय है, लेकिन किसी से बदला नहीं लिया जाएगा।

# सीएम योगी बिजनौर आकर मुझसे लड़ लें चुनाव : चंद्रशेखर आजाद

### » खुद को बी टीम कहे जाने पर दी योगी को चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बिजनौर से चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। उन्होंने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा न किसी की बी-टीम है और न किसी के इशारे पर राजनीति करता है।



अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए दूसरों पर बी-टीम का ठप्पा लगाने के बजाय मुख्यमंत्री को बिजनौर से चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य बहुजन समाज के हक, सम्मान और सत्ता में हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है। सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बहुजन समाज और महान जनता की टीम है। हमें किसी के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं। हमारा राजनीतिक भविष्य जनता तय करेगी, सत्ता में बैठे लोग नहीं। हमारी अपनी विचारधारा, अपना संघर्ष और स्वतंत्र राजनीतिक पहचान है। एक टीवी चैनल में बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में भाजपा तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। वहीं असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों इंडी गठबंधन की बी टीम हैं। इनके राजनीतिक एजेंडे और गतिविधियों से सपा-कांग्रेस को मदद मिलती है। समाज को बांटकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है।




# अपनी सरकार के खिलाफ मंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग किया जाम

### » एससी आरक्षण की मांग पर अड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने मछुआरा समुदाय को अनुसूचित जाति (एससी) का आरक्षण देने की मांग को लेकर गोरखपुर-सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर अपने समर्थकों के साथ धरना दिया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने सड़क के दोनों मार्गों पर आवागमन बाधित कर दिया जिससे करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।




निषाद ने शाम करीब साढ़े चार बजे धरना शुरू किया और कहा कि जब तक सरकार मछुआरा समुदाय को एससी आरक्षण देने की मांग पूरी नहीं करती तब तक वह धरना खत्म नहीं करेंगे। इससे पहले, फरेंदा तहसील क्षेत्र के उदितपुर गांव स्थित अभिनव विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मछुआरा समुदाय के संवैधानिक अधिकारों को लेकर सम्मेलन और मार्च आयोजित किया गया, जिसमें समुदाय के संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आरक्षण की मांग प्रमुखता से उठाई गई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए निषाद ने कहा कि मछुआरा समुदाय लंबे समय से अपने संवैधानिक अधिकारों और आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहा है।

उन्होंने दावा किया कि समुदाय एससी आरक्षण का हकदार है और उसके अधिकारों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। सम्मेलन के बाद निषाद अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पहुंचे और धरने पर बैठ गए। बाद में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से बातचीत के बाद निषाद ने समर्थकों के साथ धरना समाप्त करने का निर्णय लिया।

# पंजाब चुनाव में लगेंगे सियासी दांव

## सभी दलों ने कस ली कमर, ज्यादा से ज्यादा सीटों पर नजर

» आप ने सीटों की घोषणा की अब फिर सत्ता पाने की दौड़ में

» बीजेपी एसएडी के बीच अटक रही बात? सीट बंटवारे में फंसा पेच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



चंडीगढ़। पंजाब में विधान सभा चुनाव की रणभेरी बजने वाली है। सभी सियासी दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। वहीं सियासी दलों में गठबंधन की बाते भी बनने लगी हैं। कु छ के बीच बातें बनने की कगार पर हैं तो कहीं पर पेंच भी फंस जा रहे हैं। पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले अकाली दल और बीजेपी के बीच गठबंधन की चर्चा अब भी एक नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है।

उधर शिअद ने चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दी है। इस बीच मान ने चुनावों में जोरदार टक्कर देने की योजना बना ली है। उधर खबरे हैं कि सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों दलों के बीच एक आम सहमति नहीं बन पा रही है। पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के बीच गठबंधन को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। दोनों पार्टियों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर आम सहमति बनती नहीं दिखाई दे रही है। बीजेपी भले ही अकाली दल को अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने देने के लिए राजी हो, लेकिन वो खुद 45-50 सीटों पर चुनाव लड़ने के मूक में दिखाई दे रही है। इनमें से कई सीटें तो ऐसी हैं जहां अकाली दल का प्रभाव अधिक है। ऐसे में अकाली दल इन सीटों को देने का जोखिम नहीं उठाना चाह रही।

### राहत योजना होगी बहाल

उन्होंने कहा, मैं राज्य में भरोसे का माहौल बनाना चाहता हूं। हम अपने व्यापारियों पर भरोसा करना चाहते हैं। हमारी सरकार आने पर पुरानी 'राहत' योजना को फिर से शुरू किया जाएगा, जिसके तहत छोटे व्यापारियों को प्रति वर्ष मात्र 1,000 रुपये जमा करने की सुविधा मिलती थी। छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमियों को राहत देते हुए शिअद अध्यक्ष ने कहा कि लघु उद्योगों को अधिकारियों द्वारा की जाने वाली भौतिक जांच से पूरी तरह छूट दी जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि सरकार और उद्योगों के बीच होने वाला सारा कामकाज और दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन कर दी जाएगी। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी, बल्कि उद्यमियों का समय भी बचेगा और वे बिना किसी डर के अपना व्यापार बढ़ा सकेंगे।

### अकाली दल के साथ आने से बीजेपी को पंथक, ग्रामीण वर्गो और किसानों का समर्थन भी मिल सकता है

बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि अर्ध शहरी इलाकों में व्यापारी, दुकानदार, मध्यम वर्गीय परिवार, कर्मचारी और आसपास के गांवों के किसान मतदाता साथ रहते हैं, 2024 के चुनावों में बीजेपी कई अर्ध शहरी सीटों पर अकाली दल से आगे रही थी, इसलिए पार्टी इन सीटों पर दोबारा चुनाव लड़ना चाहती है, हालांकि, बीजेपी का ये भी मानना है कि अकाली दल के साथ आने से बीजेपी को पंथक, ग्रामीण वर्गो और किसानों का समर्थन भी मिल सकता है।

### कांग्रेस और आप सरकार पर तीखा हमला

सुखबीर सिंह बादल ने अपने संबोधन में पंजाब की पिछली कांग्रेस सरकार और वर्तमान आम आदमी पार्टी की सरकार की औद्योगिक नीतियों की कड़ी आलोचना की। निवेश आकर्षित करने में विफलता बादल ने कहा कि किसी भी राज्य का असली और बड़ा कर संग्रह बड़े उद्योगों के माध्यम से आता है। लेकिन यह बेहद निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है कि पंजाब की पिछली कांग्रेस सरकार और मौजूदा आम आदमी पार्टी की सरकार, दोनों ने ही राज्य में नया निवेश आकर्षित करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। आर्थिक पिछड़ेपन का आरोप उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण पंजाब का उद्योग अन्य राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हो रहा है, जिससे राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी कम हो रहे हैं। अकाली दल की सरकार बनने पर एक बार फिर से पंजाब को निवेशकों की पहली पसंद बनाया जाएगा।

## शिअद ने व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए बड़ा ऐलान- 5 रुपये प्रति यूनिट बिजली का वादा

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि यदि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह व्यापारियों के कर आकलन के लिए स्व-घोषणा प्रणाली लाएगी। इसके साथ ही, उद्योगों के लिए बिजली की लागत कम करने के उद्देश्य से, उन्हें पांच रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। मौड़ और रामपुरा फूल में व्यापार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद सत्र आंयोजित करने वाले शिअद अध्यक्ष ने कहा, ''मैं भरोसे का माहौल बनाना चाहता हूं। हम अपने व्यापारियों पर भरोसा करना चाहते हैं। 'राहत' योजना को फिर से शुरू किया जाएगा, जिसके तहत छोटे व्यापारियों को प्रति वर्ष 1,000 रुपये जमा करने की सुविधा मिलती थी।'' उन्होंने कहा कि इसी तरह, लघु उद्योगों को भौतिक जांच से मुक्ति मिलेगी और सरकार के साथ उनका सारा कामकाज ऑनलाइन होगा। बादल ने कहा कि असली कर संग्रह बड़े उद्योगों से आता है, लेकिन यह निंदनीय है कि पंजाब की पिछली कांग्रेस सरकार और मौजूदा आम आदमी पार्टी सरकार, दोनों ने ही निवेश आकर्षित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। संवाद सत्र को संबोधित करते हुए सुखबीर सिंह बादल ने व्यापारिक समुदाय की समस्याओं को सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि अकाली दल की सरकार बनने पर व्यापारियों को अनावश्यक सरकारी हस्तक्षेप और इंस्पेक्टरी राज से पूरी तरह मुक्ति मिलेगी। स्व-घोषणा कर प्रणाली बादल ने स्पष्ट किया कि व्यापारियों को कर आकलन के नाम पर परेशान नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें स्वयं अपना कर घोषित करने की सुविधा दी जाएगी।

## इस आधार पर सीटों की मांग?

बीजेपी ने सीटों की मांग के साथ ही गठबंधन टूटने के बावजूद प्रदेश में संगठन की पकड़ मजबूत होने का भी हवाला दिया है। खबरों की मानें तो बीजेपी की नजर 34 प्रतिशत आरक्षित सीटों के अलावा, माझा और दोआबा की सीटों पर भी है। साल 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी का वोट शेयर 9.63 प्रतिशत से बढ़कर 18.56 प्रतिशत रहा थौ। वहीं, विधानसभा सीटों के हिसाब से लोकसभा सीटों पर बढ़त को देखें तो कांग्रेस 37, आम आदमी पार्टी 33, बीजेपी 23 और अकाली दल 9 सीटों पर आगे रहे थे। हालांकि, एक सच ये भी है कि बीजेपी एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत सकी थी।

## बीजेपी की इन सीटों पर नजर?

सूत्रों के अनुसार, बीजेपी 117 विधानसभा सीटों में से 47 सीटों पर दावेदारी चाहती है और इसके लिए पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों का हवाला दिया है। इन 47 सीटों की सूची में पटियाला ग्रामीण, डेराबस्सी, मोहाली, खरड़, सुनाम, संगरूर, बठिंडा शहरी, बल्लुआणा, गुरुहरसहाय, मानसा, मोगा, पायल, साहनेवाल, नवांशहर, गुरदासपुर और बटाला जैसी सीटें शामिल हैं। इनमें कुछ ऐसी हैं जो अकाली दल अपने पास रखना चाहता है।

# पंजाब में 2027 चुनाव विकास के मुद्दों पर लड़ेगी आप

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी (आप) के ''सुशासन के एजेंडे और पूर्ववर्ती सरकारों की राजनीति'' के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव जनकल्याण, विकास और ठोस परिणामों के मुद्दों पर लड़े जाएंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मान ने कृषि क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया, जिनमें नहर के पानी का उपयोग 22 प्रतिशत से बढ़ाकर 88 प्रतिशत करना और 14,000 किलोमीटर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना शामिल है। इसके साथ ही, उन्होंने सामान्य परिवारों के बच्चों को



भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) का अधिकारी बनने में मदद करने के लिए नि:शुल्क कोचिंग केंद्र खोलने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार की प्राथमिकता पंजाब के भीतर ही रोजगार और शिक्षा के अवसर पैदा करना है ताकि राज्य के युवाओं को विदेश पलायन करने के लिए मजबूर न होना पड़े। पट्टी विधानसभा क्षेत्र के सभरा गांव में 'लोक मिलनी' (जनसंवाद) कार्यक्रम के दौरान मान ने सख्त 'जागत जोत सत्कार संशोधन अधिनियम' के माध्यम से धार्मिक भावनाओं की रक्षा करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और विश्वास जताया कि माझा क्षेत्र के लोग 2027 में 'आप' को प्रचंड जनादेश देंगे। माझा क्षेत्र में तरनतारन और अमृतसर जैसे जिले शामिल हैं। एक सभा को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि 'लोक मिलनी' कोई राजनीतिक रैली नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन, चिंताओं और आकांक्षाओं पर चर्चा करने का एक अवसर है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने बारी-बारी से पंजाब पर शासन किया, लेकिन कभी भी यहां के लोगों के हित में काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक परिवारों ने माझा क्षेत्र का आर्थिक और धार्मिक रूप से शोषण किया, जिससे यहां के लोगों को पीढ़ियों तक कष्ट झेलना पड़ा।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

## जिद... सच की

# संसाधनों का समझदारी से इस्तेमाल करना जरूरी

*पर्यावरण बचाने के लिए केवल नई चीजें बनाने के बजाय पहले से मौजूद संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा और समझदारी से इस्तेमाल करना होगा। जितना हम प्रदूषण करने से अपने को रोकें गे उतना वायुमंडल को लाभ होगा। इससे सामजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। यही सर्कुलर इकोनॉमी की मूल भावना है। गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम-2026 (डबल्यूसीईएफ ) के समापन समारोह में गुजरात के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री प्रवीण माली ने यह बात कही। दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन के समापन पर पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 'इकोमार्क' के लोगो का अनावरण किया गया। इस मौके पर भारत और विदेशों से आए प्रतिनिधियों ने टिकाऊ विकास और सर्कुलर इकोनॉमी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।*

*माली ने कहा कि गुजरात सर्कुलर इकोनॉमी और सतत विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। गुजरात की वेस्ट टू एनर्जी पॉलिसी-2022 कचरे से ऊर्जा बनाने को बढ़ावा देती है, जबकि गुजरात इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2026 में उत्पादों की मरम्मत, पुन: उपयोग और री-मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया गया है। फिनलैंड की पर्यावरण मंत्री सारी मुल्ताला ने कहा कि डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और तकनीक सर्कुलर इकोनॉमी को वैश्विक वास्तविकता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सर्कुलर इकोनॉमी केवल पर्यावरण से जुड़ा विचार नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी अवसर है। भारत में ई-वेस्ट, स्क्रैप मेटल, पुराने वाहनों और सोलर रिसाइक्लिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों के लिए 11 समर्पित सर्कुलर इकोनॉमी नीतियां लागू की गई हैं। गुजरात औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) चेयरमैन डॉ. अमनदीप गर्ग ने कहा कि सम्मेलन में 66 देशों के 2,700 से अधिक प्रतिनिधि और करीब 260 वक्ता शामिल हुए। चार प्लेनरी और 16 समानांतर सत्रों में सर्कुलर इकोनॉमी के वित्तीय, तकनीकी और नीतिगत पहलुओं पर चर्चा हुई। 125 से अधिक प्रदर्शकों ने भी अपने समाधान और अनुभव प्रस्तुत किए। समापन पर अगले वर्ष डबल्यूसीईएफ की मेजबानी करने वाले अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर को बैटन सौंपा गया।*

**"जितना हम प्रदूषण करने से अपने को रोकें गे उतना वायुमंडल को लाभ होगा। इससे सामजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। यही सर्कुलर इकोनॉमी की मूल भावना है।**

**(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)**

## संपादक को पत्र...

सर, मै आपके यूट्यूब चैनल की तरह आपका अखबार भी डिजिटली पढ़ता रहता हूं, आपका अखबार व चैनल औरों से एकदम अलग लगा। अखबार हर खबर की तह तक जाता है जो बहुत ही अलग बात है इस अखबार की। अपने चैनल में आप हर बात को बड़ी सच्चाई के साथ पेश करते हैं। आपका नाम भी सबसे अलग है। वाकई 4 पीएम से हमेशा अलग खबरें ही मिलती हैं हर रोज। साथ ही इस 4पीएम डिजिटल होने के कारण कहीं भी आसानी से पढ़ सकते हैं। इस 8 पेज के अखबार में सभी चीजें मिल जाती हैं जैसे एक बड़े अखबार में जैसे अजब-गजब, ट्विट, व चुटकुले के साथ कहानियां कुल मिलाकर गंभीर खबरों के साथ रोचक भी है
आपका अखबार।

**वैभव राय**
**अलीगंज लखनऊ**

---

सर, मैंने आपके यूटच्यूब के चर्चे तो बहुत सुने थे पर पहले कभी इस अखबार के बारे में नहीं सुना था। मगर जब इसके बारे में जाना तो मुझे व्यक्तिगत तौर पर यह अखबार उम्दा लगा। सबसे अलग तरह की खबरें मिलती है 4 पीएम में। खासकर अखबार की जो लिखने की शैली है वो सभी और अखबारों से एकदम जुदा है। साथ ही सभी खबरों की हेडलाइन काफी आकर्षक होती हैं। आपके अबखार का जो स्लोगन है जिद सच की वह आपकी खबर के हिसाब से एकदम सटीक हैं। आपका अखबार एकदम सच्ची खबरे प्रकाशित करता हैं। बिना किसी के डर के। ऐसे अखबार को मेरा सलाम।

**रंजीत कुमार**
**आशियाना**

# अखिलेश की अयोध्या यात्रा: एक नया अध्याय

धर्मेन्द्र सिंह 'बाँकेपुरी'



भारतीय राजनीति में धार्मिक आस्था और राजनीतिक महत्वाकांक्षा के बीच संबंध कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब किसी नेता की धार्मिक यात्रा उसके दल के इतिहास, वैचारिक पहचान और भविष्य की चुनावी रणनीति से जुड़ जाए, तब वह यात्रा केवल व्यक्तिगत श्रद्धा का विषय नहीं रह जाती, बल्कि व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की 12 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित अयोध्या यात्रा को भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। रामलंला के दर्शन की यह प्रस्तावित यात्रा ऐसे समय चर्चा में है, जब उत्तर प्रदेश की राजनीति 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रही है और राजनीतिक दल अपनी-अपनी सामाजिक तथा वैचारिक पहचान को नए सिरे से प्रस्तुत कर रहे हैं।

यहाँ मूल प्रश्न अखिलेश यादव के मंदिर जाने या न जाने का नहीं है। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक की तरह उन्हें भी अपनी धार्मिक आस्था व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। वास्तविक प्रश्न यह है कि इस यात्रा का समाजवादी पार्टी की राजनीति, उसके पारंपरिक सामाजिक आधार और भाजपा के साथ उसकी वैचारिक प्रतिस्पर्धा पर क्या प्रभाव पड़ सकता है ?

**आस्था का अधिकार और राजनीति की वास्तविकता-**

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है। किसी राजनीतिक दल का नेता होने से व्यक्ति का यह अधिकार समाप्त नहीं हो जाता। इसलिए अखिलेश यादव की अयोध्या यात्रा को केवल इस आधार पर राजनीतिक अवसरवाद कहना उचित नहीं होगा कि वह एक धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल का नेतृत्व करते हैं। लेकिन राजनीति में प्रतीकों का अपना महत्व होता है। किसी नेता की धार्मिक यात्रा व्यक्तिगत श्रद्धा से प्रेरित हो सकती है, फिर भी उसके सार्वजनिक और राजनीतिक अर्थ निकाले जा सकते हैं। अयोध्या का राम मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि दशकों से भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण विमर्शों में शामिल रहा है। भाजपा ने राम मंदिर आंदोलन को अपनी राजनीतिक पहचान से जोड़ा, जबकि समाजवादी पार्टी का इतिहास सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों के प्रतिनिधित्व और धर्मनिरपेक्ष राजनीति से जुड़ा रहा है। ऐसे में अखिलेश यादव की प्रस्तावित यात्रा स्वाभाविक रूप से इस प्रश्न को जन्म देती है कि क्या समाजवादी पार्टी अपनी राजनीतिक पहचान की नई व्याख्या प्रस्तुत कर रही है?

**भाजपा के आरोप और समाजवादी पार्टी का इतिहास**

अयोध्या का उल्लेख होते ही उत्तर प्रदेश की राजनीति का 1990 का अध्याय सामने आ जाता है। उस समय मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान कारसेवकों पर पुलिस गोलीबारी हुई थी। यह घटना आज भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय बनी हुई है।भाजपा इस ऐतिहासिक प्रसंग को समाजवादी पार्टी की राजनीति से जोड़ती रही है। दूसरी ओर समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोगों ने उस दौर की परिस्थितियों को कानून-व्यवस्था और संवैधानिक दायित्वों के संदर्भ में प्रस्तुत किया है। इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच ऐतिहासिक मतभेद आज भी मौजूद हैं। अखिलेश यादव की प्रस्तावित यात्रा इस पुराने विवाद को समाप्त कर देगी, ऐसा मानना जल्दबाजी होगी। इसके विपरीत, यात्रा के दौरान उस इतिहास पर नए सिरे से चर्चा होने की संभावना भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है।

लेकिन एक प्रश्न भाजपा के सामने भी है। क्या किसी राजनीतिक दल के नेता की धार्मिक आस्था का मूल्यांकन उसके दल के पुराने राजनीतिक निर्णयों के आधार पर ही किया जाना चाहिए? लोकतंत्र में ऐतिहासिक जवाबदेही महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्तमान राजनीतिक आचरण और व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता का मूल्यांकन भी स्वतंत्र रूप से होना चाहिए।

**पीडीए की राजनीति और धार्मिक पहचान का प्रश्न**

अखिलेश यादव ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक अर्थात पीडीए को अपनी राजनीतिक रणनीति और सामाजिक प्रतिनिधित्व के विमर्श में प्रमुख स्थान दिया है।यह राजनीतिक अवधारणा सामाजिक न्याय, प्रतिनिधित्व और अवसरों की समानता से जुड़ी है। ऐसे में अयोध्या यात्रा को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि धार्मिक आस्था और सामाजिक न्याय की राजनीति के बीच क्या कोई अनिवार्य विरोध है?वास्तव में दोनों को परस्पर विरोधी मानना आवश्यक



नहीं है।कोई व्यक्ति धार्मिक आस्थावान होने के साथ सामाजिक न्याय, समानता और धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था का समर्थक भी हो सकता है। भारतीय संविधान भी धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिक समानता, दोनों को मान्यता देता है। लेकिन समाजवादी पार्टी के लिए चुनौती केवल इस सिद्धांत को दोहराने की नहीं, बल्कि अपनी नीतियों और सार्वजनिक आचरण में इसकी निरंतरता बनाए रखने की है। विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों और धर्मनिरपेक्ष राजनीति को महत्व देने वाले समर्थकों के बीच यह प्रश्न उठ सकता है कि पार्टी की धार्मिक प्रतीकों के प्रति सार्वजनिक सक्रियता उसकी मूल राजनीतिक प्राथमिकताओं से किस प्रकार जुड़ती है। इन आशंकाओं का अर्थ यह नहीं कि किसी समुदाय के सभी मतदाता एक समान सोचते हैं। राजनीतिक समर्थन अनेक सामाजिक, आर्थिक, स्थानीय और वैचारिक कारणों से निर्धारित होता है।

**धार्मिक राजनीति की प्रतिस्पर्धा या वैचारिक विस्तार?**

अखिलेश यादव की यात्रा के संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक बहस यह है कि क्या समाजवादी पार्टी भाजपा के स्थापित धार्मिक विमर्श के भीतर अपनी जगह तलाश रही है, अथवा धार्मिक आस्था को किसी एक दल की राजनीतिक पहचान से अलग प्रस्तुत करना चाहती है? दोनों व्याख्याओं में महत्वपूर्ण अंतर है।यदि यात्रा को धार्मिक प्रतीकों पर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के रूप में देखा जाता है, तो इससे यह प्रश्न उठेगा कि समाजवादी पार्टी की स्वतंत्र वैचारिक पहचान किस रूप में सामने आएगी। इसके विपरीत, यदि इसे व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता के सह-अस्तित्व के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो बहस का स्वरूप अलग होगा। यहाँ एक बुनियादी तथ्य समझना आवश्यक है कि धार्मिक आस्था किसी राजनीतिक दल का एकाधिकार नहीं हो सकती।न तो मंदिर जाने से कोई व्यक्ति अनिवार्य रूप से किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा का समर्थक बन जाता है और न मंदिर न जाने से उसकी धार्मिक आस्था का अभाव सिद्ध होता है।राजनीतिक दलों की वास्तविक पहचान उनकी नीतियों, निर्णयों और सार्वजनिक जवाबदेही से निर्धारित होनी चाहिए।

**2027 का चुनाव और राजनीतिक लाभ-हानि के प्रश्न**

उत्तर प्रदेश का आगामी विधानसभा चुनाव इस यात्रा की राजनीतिक व्याख्या को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण संदर्भ है। भाजपा के लिए राम मंदिर और अयोध्या का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व उसके राजनीतिक विमर्श का स्थापित हिस्सा रहा है। समाजवादी पार्टी के लिए सामाजिक न्याय, प्रतिनिधित्व और आर्थिक अवसरों के प्रश्न प्रमुख रहे हैं। अखिलेश यादव की यात्रा इन दोनों विमर्शों के बीच संबंध को लेकर नई चर्चा पैदा करती है। इस यात्रा के संदर्भ में समाजवादी पार्टी के सामने अपनी धार्मिक स्वतंत्रता संबंधी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर है। साथ ही उसे यह भी स्पष्ट करना होगा कि धार्मिक प्रतीकों के प्रति उसका दृष्टिकोण सामाजिक न्याय और सभी समुदायों के समान अधिकारों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से कैसे जुड़ता है।दूसरी ओर भाजपा के सामने यह प्रश्न रहेगा कि वह अखिलेश यादव की यात्रा का मूल्यांकन व्यक्तिगत आस्था, राजनीतिक इतिहास अथवा वर्तमान चुनावी प्रतिस्पर्धा में से किस आधार पर करती है।हालाँकि किसी एक धार्मिक यात्रा के आधार पर चुनावी लाभ, हानि या मतदाताओं के व्यवहार का निश्चित अनुमान लगाना उचित नहीं होगा।

**अयोध्या की राजनीति में अयोध्या के नागरिक कहाँ हैं?**

इस पूरी राजनीतिक चर्चा के बीच एक महत्वपूर्ण पक्ष अयोध्या के सामान्य नागरिकों का भी है। राम मंदिर के कारण अयोध्या का धार्मिक पर्यटन, आधारभूत संरचना और स्थानीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में महत्व बढ़ा है। लेकिन किसी धार्मिक नगर का वास्तविक विकास केवल भव्य निर्माण परियोजनाओं से नहीं मापा जा सकता।स्थानीय व्यापारियों, छोटे दुकानदारों, नाविकों, श्रमिकों और सामान्य परिवारों की आर्थिक स्थिति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।पर्यटन से उत्पन्न अवसरों का लाभ स्थानीय समाज तक किस सीमा तक पहुँच रहा है? भूमि अधिग्रहण और पुनर्विकास से प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान कैसे हो रहा है? स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और रोजगार के क्षेत्र में क्या परिवर्तन हो रहे हैं?

# दांतों की चमक छीन सकती हैं आपकी ये आदतें

## साफ-सफाई में लापरवाही

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ लोग दांत चमकाने के लिए बहुत जोर से ब्रश करते हैं, लेकिन इससे इनेमल घिस सकता है और मसूड़ों की समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए हमेशा मुलायम ब्रिसल वाले ब्रश से हल्के हाथों से दांत साफ करें। दिन में दो बार फ्लोराइड युक्त टूथपेस्ट से ब्रश करने की आदत बनाएं। क्योंकि दांतों की साफ-सफाई में लापरवाही बरतने से ओरल हेल्थ (मौखिक स्वास्थ्य) खराब होता है और पायरिया, कैविटी (सड़न), व मसूड़ों की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। जब हम नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते, तो मुंह में बैक्टीरिया और भोजन के कण मिलकर एक चिपचिपी परत बना लेते हैं जिसे प्लाक कहते हैं।

## तंबाकू नुकसानदायक

सिगरेट, बीड़ी, गुटखा और पान मसाला दांतों पर पीले या भूरे दाग छोड़ सकते हैं। तंबाकू मसूड़ों की बीमारियों और मुंह के कैंसर का खतरा भी बढ़ाता है। मसूड़ों की बीमारी बढ़ने पर दांतों को सहारा देने वाले ऊतकों और हड्डी को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे दांत ढीले होने लगते हैं।



## ज्यादा मीठा खाना

चॉकलेट, कैंडी, मिठाइयां और चीनी वाले पेय पदार्थों का बार-बार सेवन दांतों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। मुंह में मौजूद बैक्टीरिया चीनी का इस्तेमाल करके एसिड बनाते हैं, जो इनेमल को कमजोर कर सकता है। इससे दांतों में कैविटी होने का खतरा बढ़ता है। जिससे दांत कमजोर हो जाते हैं और उनमें कीड़ा या खोखलापन (कैविटी) होने लगता है। हर बार मीठा खाने के बाद मुंह में अगले 20 से 30 मिनट तक एसिड का असर रहता है, जो इनेमल को नुकसान पहुंचाता है। लगातार एसिड के हमले से दांतों में छोटे छेद हो जाते हैं, जो बाद में गहरे दर्दनाक गड्ढों में बदल जाते हैं। इसलिए मीठी चीजें कम खाएं और खाने के बाद कुल्ला करने की आदत डालें।



## कोल्ड ड्रिंक और चाय-कॉफी

कोल्ड ड्रिंक्स और कई एनर्जी ड्रिंक्स में चीनी और एसिड होते हैं। इनका बार-बार सेवन दांतों की बाहरी परत को नुकसान पहुंचा सकता है। धीरे-धीरे दांतों में ठंडा-गर्म लगने और रंग पीला होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। चाय और कॉफी में मौजूद टैनिन दांतों पर दाग जमने का खतरा बढ़ा सकते हैं। वहीं डाइट से कैल्शियम और विटामिन-डी की पर्याप्त मात्रा न मिलने से दांतों और हड्डियों की सेहत प्रभावित हो सकती है। दांतों की सेहत को ठीक रखने के लिए कुछ भी खाने-पीने के बाद मुंह की अच्छे से साफ-सफाई करें।



शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सिर्फ हार्ट, लिवर और फेफड़ों का ख्याल रखना काफी नहीं है, नियमित रूप से दांतों और मसूड़ों की देखभाल भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अक्सर लोग दिन में दो बार ब्रश करने को ही ओरल हेल्थ के लिए पर्याप्त मान लेते हैं, लेकिन हमारी खानपान की आदतें और ब्रश करने का तरीका भी दांतों की सेहत को प्रभावित करता है। कुछ खाद्य पदार्थ दांतों का पीलापन बढ़ा सकते हैं, जबकि कुछ चीजें इनेमल को नुकसान पहुंचाकर कैविटी और दांतों की संवेदनशीलता बढ़ा सकती हैं। दंत रोग विशेषज्ञों के मुताबिक, दांतों की बाहरी परत यानी इनेमल के घिसने पर अंदर मौजूद पीले रंग की डेंटिन परत अधिक दिखाई देने लगती है। ऐसे में केवल ब्रश करने के बजाय खानपान और ओरल हाइजीन की दूसरी आदतों पर भी ध्यान देना चाहिए।

## हंसना मना है

मम्मी: पेपर कैसा था? बेटा : पतला सा था, सफेद रंग का। मम्मी : मेरा मतलब है कि पेपर कैसा हुआ? बेटा : फिफ्टी- फिफ्टी। मम्मी : मैं समझी नहीं? बेटा : जो पेपर में लिखा था वह मेरी समझ में नहीं आया। लेकिन मैंने जो कापी में लिखा है, वह जांचने वाले की समझ में नहीं आएगा।

गोलू: भाई मुझे हाथ देखना आता है। मोलू: अच्छा मेरा देख जरा। गोलू: तुम्हारी हस्तरेखा बताती हैं कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है। मोलू: ठीक कहा गोलू, मेरे घर के नीचे SBI बैंक की ब्रांच है।

बस स्टैंड पर खड़ी पड़ोस की लड़की से फिल्मी स्टाइल में पप्पू बोला...पप्पू : प...प...प...प्रिया...तेरी आंखों में मुझे मेरी पत्नी नजर आ रही है... लड़की- थप्पड़ लगाकर बोली...सूरत देखी है? पप्पू: नहीं, बस एक बार अहमदाबाद तक गया हूं।

एक सज्जन बता रहे थे कि वो पिछले 20 सालों से गीता के उपदेश सुनते आ रहे हैं... पता करने पर पता चला कि गीता उनकी धर्मपत्नी का नाम है...

## कहानी | सच्चा पुरुषार्थ

समय के साथ ही स्वामी विवेकानंद का ज्ञान और बातें पूरी दुनिया में फैल रही थीं। उनके भाषण और बातों से भारत के लोग ही नहीं, बल्कि विदेशी भी प्रभावित थे। हर कोई उन्हें अपना आदर्श मानने लगा था। स्वामी विवेकानंद की बातों और विचारों से एक विदेशी महिला इतनी प्रभावित हुई कि मन ही मन में उन्होंने स्वामी से शादी करने की ठान ली। वो हर दिन उनके बारे में ही सोचती रहती थी। उस महिला ने स्वामी से मिलने की भी बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कुछ समय बाद एक बार वह विदेशी महिला उस प्रोग्राम में पहुंच गई जहां स्वामी विवेकानंद भी मौजूद थे। वो बिना किसी डर के स्वामी के पास पहुंची और बिना किसी डर के कहा, मैं आपसे शादी करना चाहती हूं। महिला की मन की बात को सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उनसे सवाल किया कि आखिर आप मुझसे ही शादी क्यों करना चाहती हैं। मुझमें ऐसा क्या आपने देखा है? स्वामी के सवाल का जवाब देते हुए उस विदेशी महिला ने कहा कि आपसे मैं बहुत प्रभावित हूं। आप बड़े ज्ञानी और गुणवान हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा भी बिल्कुल आपके जैसा ही हो। इसी वजह से मैं आपसे शादी करना चाह रही हूं। महिला की इस इच्छा को जानकर स्वामी ने महिला से कहा कि ऐसा होना असंभव है, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। फिर उन्होंने आगे कहा कि भले ही मैं आपसे शादी नहीं कर सकता, लेकिन आपकी इच्छा को पूरा कर सकता हूं। महिला ने स्वामी से पूछा कि वो कैसे होगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि आप मुझे ही अपना बेटा मान लीजिए और आपको मां मान लेता हूं। ऐसा करने से आपको मेरे जैसा ही बेटा मिल जाएगा। स्वामी विवेकानंद की बातों को सुनते ही महिला उनके पैरों पर गिर गई। उसने आगे कहा कि आप सचमुच बहुत बुद्धिमान हैं। मुझे आप पर गर्व है। ऐसा करके स्वामी विवेकानंद ने खुद को अच्छा पुरुष साबित किया और सच्चे पुरुषार्थ का उदाहरण दिया। असली पुरुषार्थ वही होता है जब पुरुष के मन में नारी के लिए मां जैसा सम्मान का भाव होता है।

## 7 अंतर खोजें

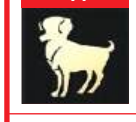


## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का अवसर मिल सकता है। व्यापार में नए निवेश और बदलाव से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें। धन लाभ के अवसर तलाशें और वित्तीय योजना पर ध्यान दें।

**वृषभ**

ऑफिस में कागजी काम सावधानी पूर्वक निपटाएं। विदेश या विदेशी कंपनियों से जुड़े काम में नए अवसर मिल सकते हैं। आंखों और पैरों को पर्याप्त आराम दें।

**मिथुन**

आपके काम की सराहना हो सकती है और पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ के अवसर तलाशें और योजनाओं की समीक्षा करें।

**कर्क**

नौकरी-पेशा लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं, जिम्मेदारियों पर ध्यान दें। व्यापार में नई रणनीतियां बनाने के लिए दिन उपयोगी हो सकता है।

**सिंह**

कार्यक्षेत्र में परिस्थितियों को बेहतर बनाने के अवसर मिल सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा से नए संपर्क बन सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है।

**कन्या**

काम में सावधानी रखें और कोई जरूरी काम अधूरा न छोड़ें। जोखिमभरे निवेश से बचें और धैर्य बनाए रखें। जीवनसाथी का सहयोग आपको संबल दे सकता है।

**तुला**

नए साझेदारी प्रस्तावों पर विचार करने का अवसर मिल सकता है। नए ग्राहक जोड़ने और व्यापार बढ़ाने के लिए योजनाएं बनाएं। दांपत्य जीवन में तालमेल बनाए रखने का प्रयास करें।

**वृश्चिक**

अपने काम को समय पर पूरा करने और कार्यकुशलता बढ़ाने पर ध्यान दें। प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी रणनीति की समीक्षा करें। मामा पक्ष से सहयोग या कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

**धनु**

नई स्किल्स सीखने का अवसर मिल सकता है और आपके काम की सराहना हो सकती है। नए व्यावसायिक फैसले लेने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें।

**मकर**

कार्यस्थल पर शांति से काम करें और सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखें। जमीन या मकान से जुड़े कारोबार में सभी दस्तावेज जांचकर आगे बढ़ें।

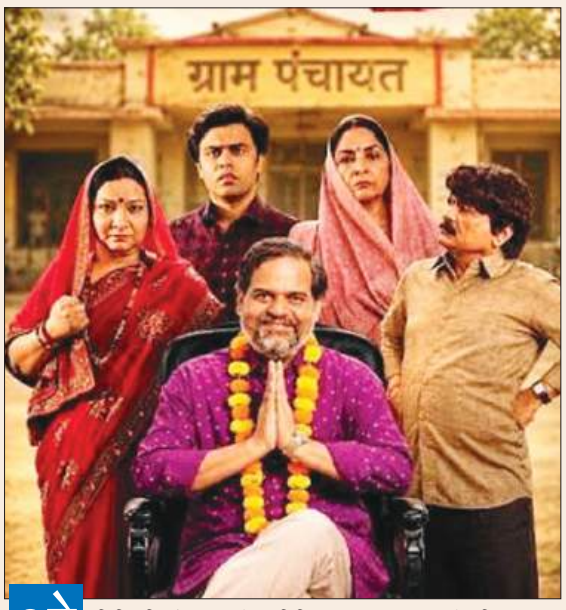
**कुम्भ**

आपके साहस और मेहनत की सराहना हो सकती है। छोटे व्यापार में नए अवसर तलाश सकते हैं। मित्रों और रिश्तेदारों के साथ संबंध मजबूत बनाने का प्रयास करें।

**मीन**

आपकी बातों और विचारों को कार्यस्थल पर महत्व मिल सकता है। पुराने निवेश और बकाए से जुड़े मामलों की समीक्षा करें। बैंक बैलेंस बढ़ाने के लिए बचत पर ध्यान दें।

# इंतजार खत्म : अगले महीने फिर लौटेगी फुलेरा की कहानी




ओटीटी की लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत के अगले सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फुलेरा गांव, सचिव जी और वहां के लोगों की मजेदार नोकझोंक ने पिछले चार सीजन में दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अब एक बार फिर यह सीरीज अपने नए सीजन के साथ वापसी करने जा रही है। इस बार कहानी में गांव की राजनीति के साथ सत्ता का नया समीकरण देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि फुलेरा को नया मुखिया मिल गया है और बनराकस अब प्रधानपति की भूमिका में नजर आएंगे। पंचायत के पांचवें सीजन का प्रीमियर 3 दिसंबर, 2026 को होगा। इस बार भी दर्शकों को फुलेरा गांव की दुनिया में लौटने का मौका मिलेगा, जहां हल्के-फुल्के हास्य, भावुक पल, आपसी रिश्तों और स्थानीय राजनीति का दिलचस्प मेल देखने को मिलेगा। सीरीज का प्रीमियर प्राइम वीडियो पर भारत समेत दुनियाभर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में किया जाएगा।

## बनराकस के हाथ में आई फुलेरा की कमान

नए सीजन में कहानी सत्ता के बदलाव के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी। फुलेरा को नया मुखिया मिल चुका है और अब बनराकस नए प्रधानपति बन गए हैं। ऐसे में दर्शकों के मन में सवाल है कि आखिर उनकी नई योजनाएं क्या होंगी? क्या वह फुलेरा की तस्वीर बदलने में कामयाब होंगे या फिर उनके वादे भी सिर्फ दिखावा साबित होंगे? सत्ता बदलने के साथ गांव में नई प्रतिद्वंद्विता और राजनीतिक समीकरण भी देखने को मिलेंगे।

# सोना महापात्रा ने सलमान खान की 'मातृभूमि' के गाने पर उठाया सवाल

सोना मोहापात्रा पिछले दो दशक से फिल्म इंडस्ट्री में गायिका के तौर पर काम कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' के गाने की कड़ी आलोचना की। एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गायिका ने बताया कि एक्टर पर टिप्पणी करने के बाद इसका असर उनके करियर पर किस तरह पड़ा था। फिल्म 'मातृभूमि' के गाने तेरी ब्यूटी पर सोना ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, 'संगीत जगत में 20 साल और सलमान खान को चुनौती देकर 10 साल। और अब तेरी ब्यूटी गाना हमारे सैनिकों के बलिदान पर बनी फिल्म में आ रहा है! बॉलीवुड, तुम वाकई अजीबोगरीब पंचलाइन लिखते हो। मेरा करियर खत्म होने पर दुख मनाने वालों... अपनी संवेदनाएं अपने पास रखो, मैं अभी भी शानदार जीवन जी रहा हूं।'

**दलेर मेहंदी पर दिया था बयान**

हाल ही में दलेर मेहंदी एक स्टेज शो के दौरान हुए विवाद के चलते चर्चा में रहे। इस मामले में सिंगर सोना मोहपात्रा ने दलेर का समर्थन करने की बजाय सोशल मीडिया के जरिए उन पर सवाल खड़ा किया था। उन्होंने इस विवाद के दूसरे पक्ष पर रोशनी डालते हुए आयोजकों और फैंस की भावनाओं के बारे में बात की थी। उन्होंने फरवरी में हुए एक इवेंट को याद करते हुए बताया था की फैंस के लिए उनके सिंगर का सही तरह प्रदर्शन न करना कितना दिल तोड़ने वाला होता है।

अपने वीडियो में आगे सोना ने कहा, 'दस साल पहले , मैंने इंडस्ट्री के सुपरस्टार सलमान खान के एक बयान पर विरोध जताया था। बस, फिर क्या? मुझे दुष्कर्म की धमकियां, छेड़छाड़ की गई तस्वीरें और असीमित ट्रोलिंग मिली। मेरी फैमिली और मम्मी को भी अभद्र शब्द सुनाए गए। इतनी की मुझे पुलिस में शिकायत करनी पड़ी।'

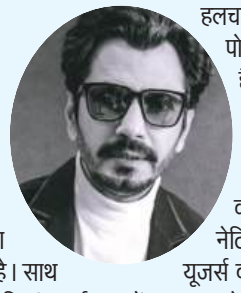
अपने इस वीडियो में सोना ने बताया कि लोगों ने सलमान को लेकर उनसे काफी कुछ कहा। फिल्मी दुनिया के लोगों ने उनसे कहा कि वह बहुत प्रतिभाशाली हैं मगर उन्हें सलमान खान के पंगा नहीं लेना चाहिए था। इस पर सोना ने अपनी राय रखते हुए कहा कि वह यहां तक अपनी मेहनत से पहुंची हैं। सफल लोगों के आस-पास रहकर सफल होने को वह सफलता नहीं मानतीं।





# नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर भड़कीं दीया मिर्जा

दीया मिर्जा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह है उनका सोशल मीडिया पोस्ट। उन्होंने इस पोस्ट में कुछ ऐसा लिखा है, जिस पर हलचल मच गई है। जो लिखा गया है, वह बहुत स्पष्ट नहीं है। मगर, इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम जोड़ दिया गया है। साथ ही व्यवहार संबंधी कमियां बताई हैं। यूजर्स कंफ्यूज हैं। कुछ दावा कर रहे हैं कि यह दीया का कोई पीआर स्टंट है। जानिए उन्होंने क्या लिखा है? दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज बुधवार को एक पोस्ट शेयर किया है। इसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। दरअसल, अभिनेत्री ने पोस्ट में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को टैग किया है। साथ ही व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। दीया मिर्जा ने लिखा है, साथ काम करना बुरा सपना है। न बात करने की तमीज है और एटीट्यूड अलग ही लेवल का है। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर नेटिजंस के कमेंट्स आ रहे हैं। अधिकांश यूजर्स कंफ्यूज हैं कि इस पोस्ट को किस संदर्भ में क्या गया है? लोग पूछ रहे हैं कि क्या वाकई उन्होंने नवाजुद्दीन के व्यवहार पर सवाल किए हैं? वहीं, कुछ इसे पीआर स्टंट कह रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, अब लोग बहुत स्मार्ट हो गए हैं। प्रमोशनल एक्टिविटीज को आसानी से पहचान सकते हैं।



# राम गोपाल वर्मा ने रामायण की तारीफ में फिर पढ़े कसीदे



निर्देशक-निर्माता राम गोपाल वर्मा अपने बेबाक अंदाज और बेधड़क बयानों के लिए जाने जाते हैं। फिल्मों को लेकर उनकी राय अक्सर चर्चा का विषय बन जाती है। इन दिनों वह निर्देशक नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म रामायण: राइज ऑफ ए लीजेंड को लेकर लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे रणबीर कपूर की तुलना उनके एनिमल वाले किरदार से की थी। वहीं, अब उन्होंने फिल्म की भव्यता की तारीफ करते हुए इसे भारतीय सिनेमा का ताजमहल बता दिया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के बजट को लेकर चल रही चर्चाओं पर भी अपनी बात रखी है। राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म की तारीफ करते हुए कहा, रामायण आखिरकार भारतीय सिनेमा का ताजमहल बनकर रहेगी। आज किसी को इस बात की परवाह नहीं है कि ताजमहल बनाने में कितना खर्च आया था। जनता के लिए सिर्फ यह मायने रखता है कि उसका निर्माण हुआ है। बाकी सब निजी मामला है।



# जॉन अब्राहम की गुरु में हुई निकिता दत्ता की इंट्री

जॉन अब्राहम का नाम लंबे समय से अपकमिंग मूवीज को लेकर चर्चा में बना हुआ है। जॉन की आने वाली फिल्मों की फेहरिस्त में गुरु का नाम भी शामिल है, जिसका निर्देशन रिभु दास गुप्ता कर रहे हैं। इस बीच अब गुरु की लीड एक्ट्रेस को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है और बताया जा रहा है कि बी टाउन की एक फेमस अदाकारा ने इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में काम करने के लिए हामी भर ली है। काफी समय से जॉन अब्राहम का नाम फिल्म गुरु को लेकर सिनेमाई गलियारे में छाया हुआ है। इस मूवी की लीड एक्ट्रेस का नाम भी अब सामने आ गया है।

दरअसल वैराइटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म गुरु में अभिनेत्री निकिता दत्ता अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगी। शाहिद कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म कबीर सिंह से पहचान बनाने वाली निकिता अब जॉन की गुरू के जरिए बड़े पर्दे पर धमाल मचाती हुई दिखाई देंगी। बात की जाए फिल्म गुरु के बारे में तो इस फिल्म की शूटिंग लंदन में बीते सितंबर से शुरू की जा चुकी है।



# आर्थिक कुप्रबंधन की कीमत आम लोग कब तक चुकाते रहेंगे : खरगे

## तरक्की का पैमाना भाषणों की लंबाई नहीं आम आदमी की थाली में मौजूद भोजन है

» 61 प्रतिशत परिवारों का खर्च 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ा

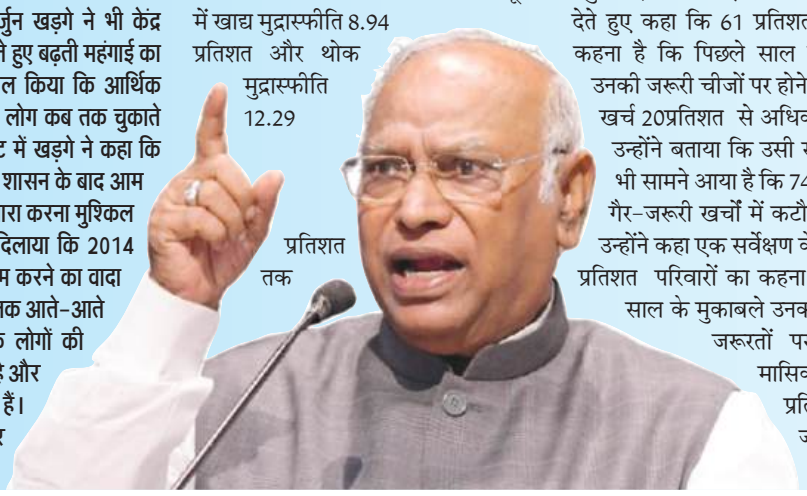
» बढ़ती महंगाई पर कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का अर्थव्यवस्था पर मोदी सरकार पर हमले के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि आर्थिक कुप्रबंधन की कीमत आम लोग कब तक चुकाते रहेंगे। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री के 12 साल के शासन के बाद आम आदमी के लिए अपना गुजारा करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 में प्रधानमंत्री ने कीमतें कम करने का वादा किया था, लेकिन 2026 तक आते-आते स्थिति यह हो गई है कि लोगों की थाली छोटी होती जा रही है और जेबें खाली होती जा रही हैं। उन्होंने कहा मोदी सरकार के 12 साल, महंगाई का

### भारी बोझ और बेबस होते लोग!

उन्होंने कई चीजों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी का जिक्र किया, जैसे- गेहूं का आटा 21 से बढ़कर 69 रुपये, अरहर की दाल 75 से 180 रुपये, सरसों का तेल 102 से 263 रुपये, दूध 36 से 85 रुपये और चावल 29 से 71 रुपये तक पहुंच गया है। खरगे ने यह भी दावा किया कि अक्टूबर में खाद्य मुद्रास्फीति 8.94 प्रतिशत और थोक मुद्रास्फीति 12.29 प्रतिशत तक पहुंच गई। उन्होंने एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि 61 प्रतिशत परिवारों का कहना है कि पिछले साल की तुलना में उनकी जरूरी चीजों पर होने वाला मासिक खर्च 20प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि उसी सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि 74 प्रतिशत लोग गैर-जरूरी खर्चों में कटौती कर रहे हैं। उन्होंने कहा एक सर्वेक्षण के अनुसार, 61 प्रतिशत परिवारों का कहना है कि पिछले साल के मुकाबले उनकी रोजमर्रा की जरूरतों पर होने वाला मासिक खर्च 20 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गया है। 74 प्रतिशत लोगों को गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। खरगे ने कहा मोदी जी, देश की तरक्की का पैमाना आपके भाषणों की लंबाई नहीं, बल्कि आम आदमी की थाली में मौजूद भोजन और उनकी जेब में बची कमाई है। उन्होंने सवाल किया कि लोग कब तक आपके आर्थिक कुप्रबंधन की कीमत चुकाते रहेंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में थोक मूल्य मुद्रास्फीति सितंबर के 11.39त्न से बढ़कर 12.29त्न हो गई, जिसका मुख्य कारण ईंधन और बिजली की कीमतों में भारी बढ़ोतरी है।



### ईंधन व बिजली में महंगाई पिछले महीने के 25.85 से बढ़कर 32.84 प्रतिशत पर

अक्टूबर में ईंधन और बिजली समूह में महंगाई पिछले महीने के 25.85 प्रतिशत से बढ़कर 32.84 प्रतिशत हो गई, जबकि प्राथमिक वस्तुओं (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 8.67 प्रतिशत से बढ़कर 9.24 प्रतिशत हो गई। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर मामूली रूप से घटकर 9.76 प्रतिशत से 9.54 प्रतिशत पर आ गई। मंत्रालय ने बताया कि इस महीने थोक मूल्य महंगाई बढ़ने के मुख्य कारणों में खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, खाद्य वस्तुएं, बुनियादी धातुएं, रसायन और खाद्य उत्पाद शामिल थे। इस बीच, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई सितंबर के 5.54 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर 2026 में 6.09 प्रतिशत हो गई। यह अक्टूबर 2024 (जब यह 6.21 प्रतिशत थी) के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है।

### महंगाई और बेरोजगारी की सरकार को चिंता नहीं : खेड़ा

सरकार को महंगाई से चिंता नहीं है, सरकार को बेरोजगारी से चिंता नहीं है। सरकार को चिंता है कि इस बारे में राहुल गांधी बोलें नहीं और दुनिया सुने नहीं।''पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि सरकार को अर्थव्यवस्था की हालत और उसकी सेहत की चिंता नहीं है, बल्कि उसकी परेशानी राहुल गांधी के बोलने और दुनिया द्वारा उनकी बात सुने जाने को लेकर है। उन्होंने कहा, ''ये है सरकार की प्राथमिकताएं! सरकार के लोग हर बार बेनकाब हो जाते हैं।'' भाजपा ने अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में भारतीय अर्थव्यवस्था पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बुधवार को आलोचना की और कहा कि वह ''भारत विरोधी दुष्प्रचार के नेता'' हैं जो विदेशी धरती पर बार-बार देश की छवि खराब करने की कोशिश करते हैं। कई वैश्विक एजेंसियों के अनुमानों का हवाला देते हुए भाजपा ने कहा कि दुनिया भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक मानती है लेकिन गांधी भारत को एक ''आर्थिक आपदा'' के रूप में पेश करने में जुटे हैं। गांधी ने मंगलवार को कोलंबिया विश्वविद्यालय में एक अनौपचारिक संवाद कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत ''आर्थिक आपदा'' के कगार पर है, जहां बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है, विनिर्माण क्षेत्र की बुनियाद कमजोर हो गई है और शिक्षा व्यवस्था में गहरी समस्याएं हैं।



# मप्र की कानून-व्यवस्था चौपट: पटवारी

» पीसीसी चीफ ने पीएम को लिखा पत्र, विदिशा की घटना की स्वतंत्र जांच और जवाबदेही तय करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराधों तथा पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार के साथ केंद्र को भी घेरा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्वतंत्र समीक्षा कराने और विदिशा की घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने जवाबदेही तय करने के साथ पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की भी मांग उठाई है।

18 नवंबर को लिखे पत्र में पटवारी ने कहा कि प्रदेश में महिला और बाल अपराधों के मामलों में पुलिस की कथित निष्क्रियता और पीड़ित परिवारों को न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने 16 नवंबर को विदिशा में हुई घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि मामले में प्रशासनिक देरी और पुलिस की शुरुआती कार्रवाई कई सवाल खड़े करती है। पटवारी ने प्रधानमंत्री से महिला एवं बाल अपराधों और पुलिस की कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए स्वतंत्र केंद्रीय समिति बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि महिला और पॉक्सो मामलों में एफआईआर दर्ज करने में देरी, जांच में लापरवाही और पीड़ितों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। विदिशा मामले में पुलिस की शुरुआती भूमिका, एफआईआर में कथित देरी और साक्ष्यों के संरक्षण की स्वतंत्र जांच कराने की मांग भी की गई है।



### सीएम के पास गृह विभाग, फिर केंद्रीयमंत्री के हस्तक्षेप पर सवाल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बीच प्रशासनिक हस्तक्षेप को लेकर सामने आए मुद्दे पर भी सवाल उठाए। पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग की जिम्मेदारी है, इसके बावजूद केंद्रीय मंत्री द्वारा स्थानीय पुलिस अधीक्षक को फोन कर कार्रवाई के निर्देश देने की बात सामने आई है। उन्होंने सवाल किया कि यदि पुलिस मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काम कर रही है तो केंद्रीय मंत्री को हस्तक्षेप की जरूरत क्यों पड़ रही है। पटवारी ने कहा कि यह दो नेताओं के बीच प्रभाव या वर्चस्व का मामला नहीं, बल्कि पुलिस प्रशासन की जवाबदेही और प्रदेश की जनता की सुरक्षा से जुड़ा सवाल है।

# पंजाब 2027 विस चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस

» 42 सदस्यीय प्रदेश चुनाव समिति का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आगामी 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों की तैयारियों को तेज करते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने तत्काल प्रभाव से 42 सदस्यीय प्रदेश चुनाव समिति का गठन किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस समिति के गठन के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने एक आधिकारिक बयान में इसकी पुष्टि करते हुए कहा,कांग्रेस अध्यक्ष ने पंजाब में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश चुनाव समिति के गठन के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से स्वीकृति प्रदान कर दी है।

# लोगों को समान व्यवहार के लिए बाध्य नहीं कर सकती अदालत : सूर्यकांत

» सीजेआई बोले- बंधुत्व ही वह तत्व है जो सामूहिक भलाई को मानव उत्कर्ष से जोड़ता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि अदालत किसी अधिकार के उल्लंघन का निवारण कर सकती है लेकिन वह लोगों को एक-दूसरे के साथ समान व्यवहार करने के लिए बाध्य नहीं कर सकती, क्योंकि यह मान्यता पूरे समाज से आनी चाहिए। कानून, न्याय और कानूनी शिक्षा पर शिक्षाविद् फैजान मुस्तफा द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यान श्रृंखला के तीसरे व्याख्यान में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि बंधुत्व ही वह तत्व है जो सामूहिक भलाई को मानव उत्कर्ष से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. आंबेडकर बंधुत्व को अनिवार्य मानते थे, इसे सभी भारतीयों में साझा भाईचारे की भावना कहते थे और यहां तक चेतावनी दी थी कि इसके बिना स्वतंत्रता और समानता स्वाभाविक रूप से स्थापित नहीं हो सकतीं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, न्यायपालिका के लिए यह एक सबक है जो विनम्रता सिखाता है-एक अदालत किसी अधिकार के उल्लंघन का निवारण तो कर सकती है, लेकिन वह लोगों को एक-दूसरे के साथ समान व्यवहार करने के लिए बाध्य नहीं कर सकती, क्योंकि यह मान्यता समाज से ही मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानवीय उत्कर्ष का अधिकार न्यायशास्त्र की एक स्थापित धारा पर आधारित है, जिसके तहत अनुच्छेद 21 को इस तरह समझा गया है कि यह केवल पशुवत जीवन ही नहीं, बल्कि सम्मानपूर्ण जीवन की गारंटी देता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जनहित का न्यायशास्त्र, बंधुत्व और मानवीय उत्कर्ष का अधिकार को अपना विषय बनाकर, प्रोफेसर मुस्तफा इस बात की ओर ध्यान दिलाते हैं कि आखिरकार कानून का उद्देश्य क्या है।

# भारत के सामने दीवार बने निकोल्स-फिलिप्स

» पहले टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर बनाए 243 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वेलिंग्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंग्टन में खेला जा रहा पहले टेस्ट मैच का पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। जसप्रीत बुमराह की अगुआई में तेज गेंदबाजों ने इस फैसले को सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और पहले ही सत्र में न्यूजीलैंड को चार झटके दिए और दूसरे सत्र में उनकी आधी टीम को पवेलियन भेज दिया। हालांकि, इसके बाद हेनरी निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स भारतीय गेंदबाजों के सामने दीवार बनकर खड़े हुए और कीवी टीम को मुश्किल से उबारा।

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने पहली पारी में पांच विकेट पर 243 रन बनाए हैं। स्टंप्स के समय निकोल्स 221 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 113 रन और ग्लेन फिलिप्स 182 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 94 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत के लिए बुमराह को अब तक तीन विकेट मिले, जबकि अंशुल कंबोज और आकाश दीप ने एक-एक विकेट लिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। जसप्रीत बुमराह ने मैच की तीसरी गेंद पर ही टॉम लाथम (0) को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अंशुल कंबोज ने डेवोन कॉनवे (4) को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। आकाश दीप ने रचिन रवींद्र (15) को पंत के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका दिया। बुमराह ने डेरिल मिचेल (1) को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। इसके बाद उन्होंने टॉम ब्लंडेल (5) को शुभमन गिल के हाथों कैच कराकर न्यूजीलैंड का स्कोर 70 रन पर पांच विकेट कर दिया। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार शुरुआत की थी जिससे लग रहा था कि आज ही न्यूजीलैंड की पहली पारी सिमट जाएगी। लेकिन दूसरे और तीसरे सत्र में फिलिप्स और निकोल्स पूरी तरह भारतीय गेंदबाजों पर हावी रहे।



### सिराज को नहीं खिलाने का फैसला पड़ा भारी

कंबोज के मामले में उनकी कम गति एक बार फिर बड़ी कमजोरी साबित हुई। उन्होंने कई ऐसी गेंदें डालीं जिन पर बल्लेबाजों को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। गिल ने निकोल्स को शॉर्ट गेंदों से परेशान करने के लिए लेग साइड पर छह क्षेत्ररक्षक लगाए लेकिन यह रणनीति काम नहीं आई। कंबोज की औसत गति लगभग 128 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा रही जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी साधारण है। भारत ने दूसरी बार कंबोज पर भरोसा जताया है और इस बार उन्हें मोहम्मद सिराज की जगह टीम में शामिल किया गया। फिलहाल यह फैसला भारत के पक्ष में नहीं गया है।

# आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

## » अंतरिम जमानत को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका खारिज, कल जेल से रिहा हुए थे पूर्व मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मिली अंतरिम जमानत को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका खारिज कर दी है। यह मामला कथित दोहरे पैन कार्ड से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले से निकले मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से संबंधित है। ईडी ने आजम खां को मिली अंतरिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।**

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने ईडी की इस याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई थी। जिसमें ईडी की ओर से जमानत याचिका को खारिज करने की मांग की गई थी। हालांकि कोर्ट ने इस मामले की तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। साथ ही उनकी अतंरिम जमानत पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। यह मामला उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि अदालतें सांविधानिक गरिमा की रक्षा के लिए असाधारण मामलों में दोष सिद्धि पर रोक लगा सकती हैं, लेकिन ऐसी राहत राजनीतिक गणनाओं के आधार पर न तो मांगी जा सकती है और न ही दी जा सकती है। साथ ही समान परिस्थितियों वाले सह-दोषियों के साथ बिना ठोस कारण बताए अलग-अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद आजम खां की दोष सिद्धि पर रोक लगाने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि केवल राजनीतिक फायदे या चुनावी लाभ के लिए दोष सिद्धि पर रोक लगाने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता।



### अदालतें अपनी कानूनी शक्तियों का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडे या चुनावी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नहीं कर सकतीं

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने कहा, हम ऐसी किसी भी दलील को पूरी तरह खारिज करते हैं, जिसमें राजनीतिक फायदे, चुनावी महत्वाकांक्षाओं या आगामी चुनाव प्रचार की जरूरतों के आधार पर दोष सिद्धि पर रोक लगाने की मांग की गई हो। अदालतें अपनी कानूनी शक्तियों का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडे या चुनावी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नहीं कर सकतीं। हाईकोर्ट ने 24 मई 2024 को आजम खां की दोष सिद्धि पर रोक लगा दी थी। इसके लिए उनकी अधिक उम्र, पहले ही जेल में काटी जा चुकी अवधि और जाली हस्ताक्षर करने के प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं होने जैसे आधारों पर विचार किया था। कोर्ट ने इस मामले में दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 389(1) के तहत दोष सिद्धि पर रोक लगाने के सिद्धांतों को भी स्पष्ट किया। पीठ ने कहा कि इस विवेकाधिकार का इस्तेमाल बेहद सावधानी से किया जाना चाहिए। इसमें दोष सिद्धि के गंभीर और अपरिवर्तनीय परिणामों के साथ उस न्यायिक निष्कर्ष की महत्ता का भी ध्यान रखना जरूरी है, जिसके तहत किसी व्यक्ति को दोषी ठहराया गया है।

### अब्दुल्ला के जन्म प्रमाणपत्र से जुड़ा है मामला

**यह मामला 2019 में रामपुर में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। आरोप था कि आजम खान, उनकी पत्नी तजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम खान ने साजिश के तहत बेटे के नाम पर दो अलग-अलग जन्म प्रमाणपत्र हासिल किए और उनका इस्तेमाल किया। ट्रायल कोर्ट ने अक्टूबर 2023 में तीनों को दोषी ठहराया था। अपीलीय अदालत ने दिसंबर 2023 में इस फैसले को बरकरार रखा।**



# विदेशी नेता के वोट चोर, गद्दी छोड़ नारे की सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। भारत में वोट चोर, गद्दी छोड़ का राजनीतिक नारा लगाने वाले इटली के एक नेता का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत सोमवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गई, जिसमें सवाल उठाया गया है कि क्या कॉन्फ्रेंस वीजा पर भारत आए किसी विदेशी नागरिक को देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में हिस्सा लेने और राजनीतिक नारे लगाने की अनुमति है?**

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने याचिका को शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। अब अदालत में इस मामले पर सुनवाई होगी कि विदेशी प्रतिनिधियों की राजनीतिक गतिविधियों और कॉन्फ्रेंस वीजा की शर्तों को लेकर उठाए गए सवालों पर क्या कानूनी पहलू बनते हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यूरोपियन सोशलिस्ट पार्टी के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक ने सम्मेलन के दौरान वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा लगाया।

# यूपी में प्रधानों का कार्यकाल छह महीने बढ़ा

## » योगी कैबिनेट ने 30 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच योगी सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए ग्राम प्रधानों और पंचायतों में प्रशासक के रूप में कार्यरत प्रतिनिधियों का कार्यकाल छह महीने और बढ़ाने का निर्णय लिया है।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री आवास पर हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश पंचायत राज (संशोधन) अध्यादेश-2026 को मंजूरी दे दी गई। इसके साथ ही पंचायत चुनाव फिलहाल आगे बढ़ गए हैं।

सरकार ने यह फैसला समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट लंबित होने के मद्देनजर लिया है। आयोग की रिपोर्ट आने तक या अगले छह महीने तक, जो भी पहले हो, मौजूदा व्यवस्था जारी रहेगी। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि बैठक में कुल 31 प्रस्ताव पेश किए गए थे, जिनमें से 30 को मंजूरी मिली है, जबकि एक प्रस्ताव को ड्रॉप कर दिया गया। बैठक में पंचायत चुनाव के अलावा पर्यटन, जैव ऊर्जा, महिला सुरक्षा, सहकारिता, नागरिक उड्डयन, शिक्षा, खेल और औद्योगिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

सुरेश खन्ना ने बताया कि उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम-1947 की धारा 12 (3क) में संशोधन के लिए अध्यादेश लाया गया है। मौजूदा व्यवस्था के तहत ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें अधिकतम छह महीने के लिए प्रशासक नियुक्त किया गया था। यह अवधि 26 नवंबर को पूरी हो रही है। वहीं, उत्तर प्रदेश समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है।

# जयंती पर याद की गईं पूर्व पीएम इंदिरा गांधी

## प्रियंका गांधी ने इंदिरा गांधी की जयंती पर लिखा इमोशनल पोस्ट, शेयर की फोटो

## » कांग्रेस ने दी पुष्पांजलि मोदी, खरगे व सोनिया ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर पीएम मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत पूरे देश ने उन्हें याद किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उन्हें खास अंदाज में याद किया। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इंदिरा गांधी की तस्वीर के साथ एक भावुक संदेश साझा किया।**

उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थडे, टाइग्रेस! आपके जैसी दूसरी कोई कभी नहीं होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित शक्ति स्थल पर पहुंचकर इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस ने भी अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट कर इंदिरा गांधी को याद किया. पार्टी ने कहा कि उनका साहस, दूरदर्शिता और भारत की संप्रभुता एवं आत्मनिर्भरता के प्रति समर्पण आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। कांग्रेस ने उनकी ताकत और सेवा की विरासत को देश के लोगों के दिलों में हमेशा दर्ज बताया। इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) में हुआ था. वह भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिनी जाती हैं।



### पीएम मोदी ने भी दी श्रद्धांजलि



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें याद किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

### उनका नेतृत्व हमेशा प्रेरित करेगा : खरगे

खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पूर्व प्रधानमंत्री को याद करते हुए उन्हें भारत की आयरन लेडी बताया। उन्होंने इंदिरा गांधी को अदम्य साहस, संघर्ष और मजबूत नेतृत्व का प्रतीक करार दिया।खरगे ने अपने पोस्ट में लिखा, भारत की आयरन लेडी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। वह अदम्य साहस, संघर्ष और मजबूत नेतृत्व की प्रतीक थीं। देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण, योगदान, दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व सदैव हमारी प्रेरणा बना रहेगा।

### कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने भी दी श्रद्धांजलि

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के विकास में उनके योगदान को याद किया। एक्स हैंडल पर अपने पोस्ट में मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि इंदिरा गांधी के कार्यकाल में देश ने कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और संस्थागत बदलाव देखे। उन्होंने कृषि उत्पादन को मजबूत करने, बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और भारत के अंतरिक्ष एवं परमाणु कार्यक्रमों को समर्थन देने में इंदिरा गांधी की भूमिका का उल्लेख किया।




**महाराष्ट्र कार्यालय**:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
**RNI-UPHIN/2015/62233**, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**